Concept Note

दो दिवसीय राष्ट्रीय परिसंवाद

भारत विभाजन की त्रासदी और भारतीय भाषाओं का साहित्य।

(सन 1947 से सन 2000 के बीच प्रकाशित साहित्य के विशेष संदर्भ में)

28th – 29th November 2023

यह एक ऐतिहासिक सत्य है कि 15 अगस्त सन 1947 को हमारा देश स्वतंत्र हुआ , लेकिन विभाजन के रूप में हमें बहुतही गहरे घाव मिले । धर्म के आधार पर हुए इस विभाजन के कारण ही हिन्दू-मुस्लिमों में भेदभाव पैदा हुआ। रोजगार, पुनर्वास, स्थानांतरण जैसी समस्याओं ने सुरसा का रूप धारण कर लिया ।विभाजन की इस त्रासदी ने मानवीय मूल्यों का ह्रास किया जिससे अत्याचार,लूटमार,नारी अत्याचार,सांप्रदायिक दंगे इत्यादि का तांडव यह देश कभी नहीं भूल सकता । भारत विभाजन का एक बड़ा और व्यापक प्रभाव यह भी रहा कि बड़े पैमाने पर लोग घर से बेघर हो गए। ऐसा लगता था कि शरणार्थियों का कोई जलजला आ गया है।

इस विभाजन की त्रासदी का व्यापक प्रभाव भारतीय जनता एवं यहाँ के संवेदनशील रचनाकारों पर हुआ । परिणाम स्वरूप **हिन्दी, पंजाबी, उर्दू, बांग्ला और अंग्रेजी** समेत **कई भारतीय भाषाओं में इस त्रासदी को विस्तार से चित्रित किया गया । कहानी, कविता,उपन्यास और नाटक समेत साहित्य की अनेकों विधाओं में प्रचूर लेखन कार्य हुआ ।** भारतीय भाषाओं के तमाम लेखकों ने अपने-अपने ढंग से इस त्रासदी पर कल्पना और यथार्थ की अभिव्यक्ति के माध्यम से अपनी संवेदनाएं व्यक्त की हैं। यह साहित्य जहां एक ओर ऐतिहासिक संदर्भों में तत्कालीन घटनाओं का लेखा-जोखा प्रस्तुत करती हैं तो वहीं दूसरी ओर इस घटना से जुड़े मानवीय एवं सामाजिक पहलुओं को भी संवेदनात्मक अभिव्यक्ति प्रदान करती हैं। भारतीय भाषाओं के विभाजन संबंधी साहित्य में एक तरफ तीखी प्रतिक्रिया और प्रतिरोध का स्वर है तो दूसरी तरफ मानवीय करूणा और अन्तर्वेदना का स्पर्श भी है।इस समग्र भारतीय साहित्य को आज़ादी के अमृत महोत्सव के

उपलक्ष्य में पुनः व्याख्यायित करना एवं **उसे पुनः राष्ट्रीय भावों के अनुकूल** समझने का प्रयास ही इस परिसंवाद का मुख्य उद्देश्य है । **स्त्री, दलित, आदिवासी, किसान और मध्यमवर्गीय परिवारों पर विभाजन की त्रासदी को विशेष रूप से समझना, और इससे संबंधित शोधपरक आलेखों की हमें दरकार है ।**

Call for Papers

A limited number of participants will be invited for the Seminar. Those interested in participating should send (preferably by email) an abstract (500 words) of the proposed paper in Hindi only along with their C.V. (One page) directly to **Dr. ManishKumar C. Mishra , Assistant Professor, Department of Hindi, K.M.Agrawal College, Kalyan-west 421301, Dist. - Thane, Maharashtra,** Email: manishmuntazir@gmail.com Mobile: 9082556682/8090100900 and **copy to Shri Prem Chand, Librarian/Academic Resource Officer (AC), Indian institute of Advanced Study, Shimla on his Email aro@iias.ac.in** Tel: 0177-2831385

The last date for submission of abstract (500 words) is till 10th October 2023 05:00 PM. The Institute intends to send Invitation letters to selected participants by the 30th October, 2023. It is the policy of the Institute to publish the papers not proceedings of the seminars it organizes. Hence, all invited participants will be expected to submit complete papers (in Hindi only), hitherto unpublished and original, with citations in place, along with a reference section, to the Academic Resource Officer, Indian Institute of Advanced Study, Shimla– 171005 by 10th November, 2023.

The IIAS, Shimla will be glad to extend its hospitality (**free hospitality is provided only to the Seminar participant**) during the seminar period and is willing to reimburse, if required, rail or air travel expenses from the place of current residence in India, or the port of arrival in India, and back.

Note: Plagiarism is a serious academic offence and the Institute reserves the right to cancel the selection/participation of a candidate found guilty at any stage.

***